राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA
Ministry of Education, Government of India

23 अगस्त, 2024

प्रेस विज्ञप्ति

युवाओं की जिम्मेदारी : कश्मीर की कहानी, यहीं की जुबानी – विशाल भारद्वाज

"मैं कश्मीर में आने का बहाना ढूँढ़ता रहता हूँ। कहानी बजाय कहीं की भी हो, लेकिन उसे फिल्माना कश्मीर में ही चाहता हूँ।" यह बात प्रख्यात बॉलिवुड निदेशक विशाल भारद्वाज ने चिनार पुस्तक महोत्सव में अपने तर्जुबे को साझा करते हुए कही। उन्होंने युवाओं को अपने बचपन की कई यादगार बातें बताईं। अपने फिल्मी करियर पर बात करते हुए उन्होंने बताया, "फिल्म का असली मजा पर्दे के पीछे होता है। उसमें रचनात्मकता होती है और इसीलिए मैंने पर्दे के पीछे की दुनिया को चुना।" बच्चों और युवाओं पर फिल्मों के असर पर उन्होंने कहा, "मैं चाहता हूँ कि हर स्कूल में एक फिल्म क्लब हो और हर हफ्ते बच्चों को एक ऐसी फिल्म जरूर दिखाई जाए, जिससे वे प्रेरणा ले सकें।" उन्होंने कश्मीर के युवाओं को दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा दिखाने पर विचार करते हुए कहा, "मैं भी उत्तर प्रदेश के छोटे से शहर मेरठ से दिल्ली आया तो बहुत कुछ नया सीखने को मिला, इसी तरह यदि कश्मीर के युवा अपनी प्रतिभा को बाहर लेकर जाएँगे तो दुनिया में कश्मीर का नाम होगा। हमें मौके को छोड़ना नहीं चाहिए, वरना वह दोबारा नहीं मिलेगा। कश्मीर की हवा में वो स्प्रिट्यूएलिटी है, जो कलाकार, फिल्मकार को अपनी ओर खींचती है। सिनेमा आइना होता है। कश्मीर के युवाओं को अपनी कहानी कहने के लिए अपने फिल्ममेकर्स बनाना बहुत जरूरी है, जो यहाँ की कहानी कहें, यहाँ की जुबानी कहें।"

प्रोफेशनल लाइफ में लेखक बनना जुनून

चिनार टॉक्स की कामयाबी इस मंच पर साहित्यकारों, कलाकारों के अल्फाजों से है और अल्फाजों के खेलने वाले को ही लेखक, कवि, साहित्यकार कहते हैं। चिनार पुस्तक महोत्सव के सातवें दिन श्रीनगर के उपायुक्त बिलाल मोहिउददीन भट ने प्रशासन में रहते हुए अपने व्यस्ततम जीवन में एक लेखक के रूप में उभरने पर बात करते हुए कहा, "जब कोई काम आपका जुनून बन जाता है, तब न कोई दिन होता है, न रात होती है। युवा सिर्फ उस जुनून को पैदा करें।" जम्मू और कश्मीर पुलिस टेलिकॉम के निदेशक मनोज पंडित के अनुसार, "जो हमारा प्रोफेशन है, उससे हटकर भी हमारे अंदर एक जुनून होता है। असल में जो आदत हममें पहले से होती है, वो कभी बदलती नहीं।"पेशे से डॉक्टर सुरेश कॉल भी इस चर्चा में शामिल थे। उन्होंने युवाओं को कुछ भी बनने से पहले एक अच्छा इंसान बनने की नसीहत दी। उन्होंने कहा, "पहले आप यह जानो कि आप क्या बनना चाहते हैं।" श्रीनगर उपायुक्त ने

बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, "आजकल माता–पिता बच्चे का भविष्य तय करते हैं। यह उनकी जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वे बच्चे के लिए ऐसा माहौल बनाएँ, जिसमें वे अपना भविष्य बनाना चाहते हैं।" अपनी पुस्तक एनवायरमेंट एंड ईकोलॉजी के पीछे के परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए डॉ. बिलाल ने कहा, "मुझे लगता है कि सरकारी और निजी को अलग–अलग नजरिये से नहीं देखना चाहिए। पिछले 10 वर्षों में स्वच्छता को लेकर बहुत काम हुआ है। लोग स्वच्छता को सामूहिक जिम्मेदारी समझें।"

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर खास

चिनार पुस्तक महोत्सव में पहले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस (23 अगस्त) को ध्यान में रखते हुए फोटो प्रदर्शनी लगाई गई है। शुक्रवार को हजारों बच्चों और युवाओं ने इस फोटो प्रदर्शनी को देखा। बच्चों ने जाना कि किस तरह भारत ने चंद्रयान–3 मिशन में कामयाबी हासिल की। उन्होंने इसरो और भारत की अंतरिक्ष विकास यात्रा के बारे में जाना। यहाँ बच्चों ने भारतीय सैटेलाइट के विकास, पीएसएलवी, जीएसएलवी, भारत की क्षेत्रीय नेविगेशन प्रणाली नाविक, 1998 से 2023 के इसरो के अभियानों, आदित्य एल1 आदि को फोटो के माध्यम से समझा।

शाम के समय चिनार पुस्तक महोत्सव में जम्मू और कश्मीर के मशहूर शायरों की महफिल सजी, जिसमें परवेज मानूस, सबजार अहमद भट, सूरत सिंह, मों. मंशा खाकी, डॉ. मुद्दसिर अहमद भट्ट, डॉ. सुरल कॉल, फैयाज तिलगामी, रोजेश्वर सिंह राजा, डॉ. शायदा शबनम, प्रोमिला मनहास, डॉ. शबनम अशाई, प्रो. निर्मल सिंह, डॉ. सतीश विमल, गुलाब सैफी और तौसीफ रजा ने शिरकत की। शायरों ने हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी, डोगरी, पहाड़ी, गोजरी भाषाओं में अपने मुनफरिद अंदाज से शायरी सुनाई। साथ ही युवाओं ने जयपुर से पहली बार कश्मीर आए युग्म बैंड की परफोमेंस का भी लुत्फ उठाया।

बच्चों के रचनात्मक कौशल का विकास

"बच्चे कहानियों से सीखते हैं और उनके मानसिक और शारीरिक विकास में भी कहानियाँ ही अहम रोल अदा करती हैं।" यह बात शुक्रवार को मशहूर कथावाचक और स्टोरी घर संस्था से आई जयश्री सेठी ने कही। उन्होंने बच्चों को बड़े रोचक अंदाज में और पात्रों का अभिनय करते हुए चिरौंजीलाल की कहानी और कश्मीरी लोककथा 'अखरोट और कद्दू' सुनाई। इसके बाद सीमा वाही ने बच्चों को आर्ट एंड क्राफ्ट और नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के अंतर्गत राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र (एनसीसीएल) ने बच्चों को तरह–तरह के बुकमार्क बनाना सिखाए।

शनिवार को खास

शनिवार 24 अगस्त को चिनार पुस्तक महोत्सव में युवाओं को मशहूर युवा संगीतकार राहगीर से मिलने का मौका मिलेगा। रेखा भारद्वाज व विशाल भारद्वाज की आवाज से महफिल–ए–शाम सजेगी। चिनार टॉक्स में शनिवार को युवाओं के पास आरजे नासिर, आरजे रफीक और रूपाली तलन से उनके अनुभवों पर बात करने का मौका मिलेगा। इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्टस की तरफ से जम्मू और कश्मीर के मंदिरों और तीर्थों की वास्तुकला पर चर्चा होगी। साहित्यकार एस.एन. पंडिता और प्रो. शाद रमजान कश्मीर की बौद्धिक परंपरा पर बात करेंगे। बच्चों के लिए मशहूर वैदिक गणित विशेषज्ञ विवेक कुमार एक वर्कशॉप का आयोजन करेंगे। बच्चों को मंडाला आर्ट के बारे में बताया जाएगा।

जनसंपर्क अनुभाग
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
prnbtindia@gmail.com